राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

सीएमओ ने बैठक कर नर्स व लैब टेक्नीशियन को दिए आवश्यक निर्देश

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार बनियान ने जिला महिला चिकित्सालय में स्टाफ नर्स एवं लैब टेक्नीशियन के साथ बैठक किया।बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार ने लगातार संस्थागत प्रसव एवं सिजेरियन प्रसव की संख्या घटने के विषय में आने वाली समस्याओं के संबंध में सभी स्टाफ नर्सो तथा लैब टेक्नीशियन से जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद सभी कर्मियों से कहा कि अगर आप सभी को किसी भी सिजेरियन प्रसव की कोई समस्या होने पर अपनी समस्या को डॉ राजेश चौधरी से दूरभाष से बताए साथ ही जिला महिला चिकित्सालय का कोई कर्मचारी दलाल का सहयोग करता है।

वर्ष – 03 | अंक – 272 | जौनपुर | गुरूवार, 22 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

काम पर निकला युवक रहस्यमय तरीके से लापता, परिवार परेशान

सम्भल, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सम्भल जनपद स्थित हयातनगर थाना क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर से काम के सिलसिले में निकला एक 20 वर्षीय युवक रहस्यमय हालातों में लापता हो गया है। 13 मई को रोहित सैनी पुत्र दिनेश सैनी, अपने गांव से उत्तराखंड के काशीपुर काम पर जाने के लिए निकला था, लेकिन रास्ते में मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन छूट जाने के बाद से उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। फोन स्विच ऑफ होने से चिंता और गहरा गई है। परिवार के अनुसार, रोहित की आखध्रिी बार अपने पिता से बात 13 मई को ही हुई थी। उसने बताया था कि उसकी 2 बजे वाली ट्रेन छूट गई है, अब वह 5 बजे वाली ट्रेन से काशीपुर जाएगा। पिता दिनेश सैनी ने शाम 5रू30 बजे बेटे की खैरियत जानने के लिए कॉल किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। तब से लगातार संपर्क की कोशिश की जा रही है, मगर कोई जवाब नहीं मिल रहा। परिजन बेहद चिंतित हैं और हर संभव प्रयास कर रहे हैं। रिश्तेदारों, दोस्तों और साथ काम करने वालों से संपर्क किया जा चुका है, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिली। युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट हयातनगर थाने में दर्ज करवा दी गई है और पुलिस भी उसकी तलाश में जुट गई है। परिवार की उम्मीदें अब समाज और पुलिस के सहयोग पर टिकी हैं। हर बीतता दिन उनकी चिंता को और बढ़ा रहा है।

अजमेर में तीन बांग्लादेशी महिलाएं डिटेन, अब तक 38 पर हुई कार्रवाई

अजमेर, (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर जिला पुलिस ने मंगलवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए देश में अवैध रूप से रह रही तीन बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई राजस्थान पुलिस के महानिरीक्षक, सीआईडी (सुरक्षा) जयपुर के निर्देशों के तहत, अजमेर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. दीपक कुमार शर्मा तथा वृत्ताधिकारी किशनगढ़ ग्रामीण उमेश गौतम के सुपरविजन में अंजाम दी गई। इस संयुक्त अभियान में जिला विशेष शाखा, सीआईडी जोन अजमेर और पुलिस थाना रूपनगढ़ की टीम ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में रह रहे अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें देश से निष्कासित करना है। अब तक इस अभियान के तहत कुल 38 बांग्लादेशी नागरिकों को डिटेन किया जा चुका है, जिनमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। मंगलवार को हिरासत में ली गई तीनों महिलाएं मूल रूप से बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले की निवासी हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अजमेर और जयपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में अलग–अलग नामों और पहचान के साथ रह रही थीं। अंजली देवी उर्फ सादिया, पुत्री मोहम्मद कासिम, पत्नी मोहनलाल जाट, वर्तमान में जयपुर जिले के फुलेरा तहसील के टीको की ढाणी गांव की निवासी हैं। कल्पना बेगम उर्फ सपना देवी (35), पत्नी पूरणमल जाट, अजमेर जिले के रूपनगढ़ थाना क्षेत्र के भदूण गांव में रहती थीं

यूपी के सभी मंडलों में बनेंगे दिव्यांग पुनर्वास केंद्र : सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी के सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर 'दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों' की स्थापना की जाएगी जिससे कि दिव्यांगों को पुनर्वास, शिक्षा और कौशल विकास से संबंधित सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सुलभ हो सकें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यह निर्देश अपने आवास पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा में दिए। उन्होंने दिव्यांग युवाओं के लिए संचालित शैक्षिक संस्थानों में प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशील, सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अराजक

तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से दिव्यांगजनों के विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में भ्रम फैलाकर उन्हें अवांछित और समाजविरोधी गतिविधियों की ओर प्रवृत्त करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। ऐसी प्रवृत्तियों के प्रति हमें पूर्णतः सतर्क रहते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक–सामाजिक संरक्षण सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि इन संस्थानों में सहायता के नाम पर प्रस्ताव देने वाली बाहरी संस्थाओं की पृष्ठभूमि की गहन जांच–पड़ताल के उपरांत ही उनकी अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी बचपन डे केयर सेंटरों, मानसिक मंदित आश्रय केंद्रों, समेकित विद्यालयों तथा 'ममता', 'स्पर्श' और 'संकेत' विद्यालयों का व्यापक निरीक्षण किया जाए। यहां अध्ययनरत बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं, आकांक्षाओं और अभिभावकों की अपेक्षाओं को समझते हुए संस्थागत व्यवस्थाएं और अधिक सुदृढ़ की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए और जब तक नियमित नियुक्ति न हो, तब तक अन्य वैकल्पिक व्यवस्था से योग्य युवाओं की सेवाएं ली जाएं। इन युवाओं को भविष्य की चयन प्रक्रियाओं में वेटेज प्रदान किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि लखनऊ स्थित 'डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय' तथा चित्रकूट स्थित 'जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय' में कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाए और इन संस्थानों का प्रचार–प्रसार राष्ट्रीय स्तर पर किया जाए ताकि देशभर के इच्छुक दिव्यांगजन इन संस्थानों से जुड़ सकें।

प्रोफेसर अली खान को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत तीन सदस्यी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हरियाणा के अशोका विश्व विद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर और राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख अली खान महमूदाबाद को महिला सैन्य अफसरों कर्नल कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने महमूदाबाद को सीजेएम, सोनीपत की संतुष्टि के लिए जमानत बांड भरने को भी कहा है। साथ ही अली खान महमूदाबाद को निर्देश दिया है कि वे ह दोनों पोस्ट से संबंधित कोई भी ऑनलाइन लेख नहीं लिखेंगे या कोई भी ऑनलाइन भाषण नहीं देंगे जो जांच का विषय है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें भारतीय धरती पर आतंकवादी हमलों या हमारे राष्ट्र द्वारा दी गई जवाबी प्रतिक्रिया के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तीन आईपीएस अधिकारियों वाली एक एसआईटी के गठन का भी आदेश दिया है। इस समिति में एक महिला अधिकारी भी शामिल होगी जो राज्य से बाहर की होगी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि 24 घंटे के भीतर एसआईटी का गठन किया जाए, एसोसिएट प्रोफेसर जांच में शामिल होंगे।

बिहार में बनेगा देश का दूसरा सबसे बड़ा पावर प्लांट, पीएम मोदी करेंगे शिलान्यास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री बिक्रमगंज में होने वाली विशाल रैली में बिहार को सौगातों की बरसात करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पटना–सासाराम फोर लेन सड़क, बिहटा एयरपोर्ट टर्मिनल, वाराणसी–रांची सिक्स लेन एक्सप्रेसवे और 600 मेगावाट के नबीनगर थर्मल पावर प्लांट का भी शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 मई को पटना आएंगे। उसी शाम वे पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। वरिष्ठ भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री अगले दिन 30 मई को रोहतास के बिक्रमगंज में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। पहले उनका 30 मई को बिहार आने का

कार्यक्रम था। चूंकि इस साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए मोदी के पटना में रात्रि प्रवास के दौरान भाजपा और एनडीए के अन्य सहयोगियों के वरिष्ठ नेताओं से मिलने की संभावना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री बिक्रमगंज में होने वाली विशाल रैली में बिहार को सौगातों की बरसात करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पटना–सासाराम फोर लेन सड़क, बिहटा एयरपोर्ट टर्मिनल, वाराणसी–रांची सिक्स लेन एक्सप्रेसवे और 600 मेगावाट के नबीनगर थर्मल पावर प्लांट का भी शिलान्यास करेंगे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी आतंकी शिविरों पर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री का यह पहला बिहार दौरा होगा।

व्यापारी- आर्म्स चलाने का दिया जाए प्रशिक्षण : राजनाथ सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ पहुंचे। यहां व्यापारियों ने उनसे उनके आवास पर मुलाकात की। पाकिस्तान पर सेना द्वारा किए आपरेशन सिंदूर की सफलता पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल बनने से देश में राजधानी की शान बढ़ेगी। लखनऊ के व्यापारियों ने दुश्मन देशों से व्यापार न करने की बात कही। दुकानों पर भारत में बनने वाले कपड़े ही बेचने का भरोसा दिलाया। प्रदेश भर के व्यापारियों से भी अपील की है कि देश में बनने वाले कपड़े ही बेचें। इसके अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन, तुर्किये जैसे देशों से व्यापार पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। उत्तर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष अशोक मोतियानी और महामंत्री अनिल बजाज के नेतृत्व में व्यापारियों ने रक्षामंत्री के सामने अपना मांग पत्र भी रखा। इसमें मांग की है कि लखनऊ के व्यापारियों को आर्म्स चलाने का प्रशिक्षण दिलाया जाए। ताकि अपनी सुरक्षा के साथ–साथ देश के अंदर की सुरक्षा कर पाएं। व्यापारियों ने यूपी समेत अन्य राज्यों से अपील की है कि तुर्किये, पाकिस्तान, चीन व बांग्लादेश से कारोबार बिल्कुल ना करें। कहा कि भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर किया गया ऑपरेशन सिंदूरशपाकिस्तान

को युद्ध की याद करवाता रहेगा। इसके अलावा यूपी में बिजली की दरें बढ़ाने की चर्चा पर जल्दबाजी में दरें न बढ़ाए जाने की मांग की। कहा कि बिजली की दरें बढ़ाने का यह उचित समय नहीं है। इस मौके पर अशोक मोतियानी, अनिल बजाज, श्याम कृषनानी, पुनीत लाल चंदानी, जितेंद्र अरोड़ा, विजय मोतियानी और पप्पू ग्रोवर मौजूद रहे।

काशी से तय होगी चार राज्यों की रणनीती अमित शाह की होगी बड़ी बैठक

वाराणसी, (एजेंसी)। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक 24 जून को काशी में होगी। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। उत्तर प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री भी हिस्सा लेंगे। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 24वीं बैठक उत्तराखंड में हुई थी। इस बार मेजबानी के लिए यूपी को चुना गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक काशी में कराने का निर्णय लिया। यह बैठक नदेसर के होटल ताज में होगी। इसमें गृह मंत्री के साथ ही यूपी के मुख्यमंत्री, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव मौजूद रहेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर ही सोमवार को

कमिश्नरी सभागार में अपर मुख्य सचिव सचिवालय प्रशासन जितेंद्र कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली जाएं। इसमें गृह मंत्रलाय के साथ ही नीति आयोग और अंतर राज्य परिषद के अधिकारी भी हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार ही बैठक काशी में होनी है। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने लोकनिर्माण विभाग को सड़कें ठीक करने की जिम्मेदारी दी है। बिजली निगम को जर्जर खंभे हटाने हैं। लटकते तार ठीक कराने हैं। नगर निगम को सफाई, कूड़ा उठान, चौराहों की लाइटिंग कराने को कहा है। उन्होंने बताया कि सीवरेज ओवरफ्लो नहीं होना चाहिए। वाराणसी विकास प्राधिकरण फसाड लाइटें तेजी से लगवाए। चौराहों की पेंटिंग और लाइटिंग कराई जाए। जल निगम के अफसरों को सख्त हिदायत दी और कहा कि नई खोदाई नहीं की जानी चाहिए। मंदिर जाने वाली सड़कें ठीक रहनी चाहिए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन खाने की गुणवत्ता का ख्याल रखे। पुलिस महकमा सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रखे। लाइजन ऑफिसर नियुक्त किए जाएं। स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होनी चाहिए। अग्निशमन विभाग को फायर चेक, पर्यटन को टूरिस्ट गाइड, घाट देखने हेतु क्रूज, एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन पर अतिथियों के स्वागत हेतु प्लेटफॉर्म लगाने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम सत्येंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त डॉ एस चनप्पा, अपर नगर आयुक्त सविता यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर उपराष्ट्रपति धनखड़ का बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि आतंकवादियों ने खुद ही दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर के सबूत मुहैया कराए हैं और जिन लोगों को निशाना बनाया गया उनके

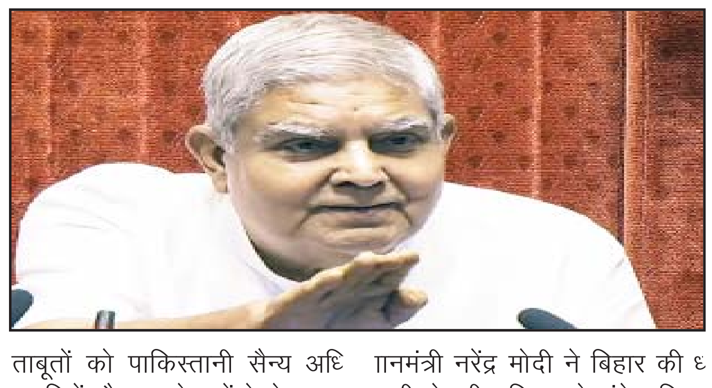

ताबूतों को पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों और राजनेताओं ने ले जाया था। मोरमुगाओ पोर्ट अथॉरिटी (एमपीए) द्वारा दक्षिण गोवा के वास्को में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के सटीक सैन्य हमलों ने जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा को करारा संदेश दिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इससे वैश्विक संदेश गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की धरती से पूरी दुनिया को संदेश दिया है कि आतंकवाद को अब और नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने आतंकवादियों को दी गई सजा को अनुकरणीय बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय सीमा से परे के क्षेत्र में किया गया। हमारे सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, लक्ष्य केवल आतंकवादी थे। सभी के लिए यह कितनी संतुष्टि की बात है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन की उच्च उपलब्धि के बाद, कोई भी इसका सबूत नहीं मांग रहा था।

उन्होंने कहा कि आतंकवादियों (जिन्हें निशाना बनाया गया) ने पूरी वैश्विक बिरादरी के सामने इसका सबूत पेश किया। ताबूतों को उस देश की सैन्य शक्ति, उस देश की राजनीतिक शक्ति और आतंकवादियों द्वारा ले जाया गया। 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 लोगों की हत्या के प्रतिशोध में शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, भारतीय सशस्त्र बलों ने इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

रेखा गुप्ता सरकार से किस बात को लेकर नाराज हो गए मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने सीबीएसई के नतीजे घोषित होने के बाद दिल्ली के सरकारी स्कूलों के टॉपर्स की उपलब्धियों को मान्यता न

देने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनकी सरकार की तीखी आलोचना की। छात्रों की कड़ी मेहनत के बावजूद, सिसोदिया ने सीएम की ओर से मान्यता न मिलने की ओर इशारा करते हुए पिछले वर्षों के साथ एक तीव्र विरोधाभास को उजागर किया। सिसोदिया ने कहा, ‟8 दिनों से मुख्यमंत्री ने अपने ही सरकारी स्कूलों के टॉपर्स को बधाई देना भी जरूरी नहीं समझा।‟ उन्होंने किसी भी आधिकारिक मान्यता के अभाव पर निराशा व्यक्त की। सिसोदिया ने एक्स पर लिखा कि सीबीएसई रिजल्ट आए 8 दिन हो गए३ लेकिन अफसोस, दिल्ली की मुख्यमंत्री ने अब तक अपने ही सरकारी स्कूलों के टॉपर्स को बधाई देना जरूरी नहीं समझा। इतनी बेरुखध्ी? इतनी बेपरवाही? बच्चों ने सालभर मेहनत की३ परिवारों ने सपने संजोए३ और मुख्यमंत्री साहिबा को इतनी भी फुर्सत नहीं कि एक फोन कर दें? इतना ही नहीं कृ दिल्ली सरकार ने अब तक पास प्रतिशत और टॉपर्स के नाम तक घोषित नहीं किए।

उन्होंने आगे कहा कि 2015 से हर साल, उसी दिन नाम घोषित होते थे३ मैं और मुख्यमंत्री दोनों बच्चों को बधाई देते थे३.दो–तीन दिन के भीतर ब्ड खुद कई टॉपर्स को अपने घर बुलाते थे, मिलते थे३ उनके घर जाकर बधाई देते थे, सभी स्कूलों के टॉपर्स को उनके पैरेंट्स और टीचर्स के साथ त्यागराज स्टेडियम में बुलाकर सम्मानित किया जाता था। लेकिन आज सत्ता की कुर्सी इतनी बड़ी हो गई है कि बच्चों की मेहनत, उनका जज्बा, उनके सपने कृ सब छोटे लगने लगे हैं। दिल्ली के नए हुक्मरान बच्चों की आंखों में झांकने से डरते हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में जुलाई तक रोजाना की होगी सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ पहली नजर में धन शोधन का 'प्रथम मामला बनता है। ईडी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष मामले का संज्ञान लेने के संबंध में प्रारंभिक दलीलें पेश कीं। इस बीच, न्यायाधीश ने ईडी को निर्देश दिया कि वह इस मामले में अपने आरोपपत्र की एक प्रति भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी को उपलब्ध कराए, जिनकी निजी शिकायत के आधार पर ईडी ने वर्तमान मामला दर्ज किया था। इस मामले में बहस अभी चल रही है। हाल ही में आरोपपत्र दाखिल करने वाली ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू की थी, जब एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 26 जून 2014 को स्वामी की ओर से दायर एक निजी शिकायत पर संज्ञान लिया था। नेशनल हेराल्ड धन शोधन मामले में संघीय एजेंसी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक ‟अपराध की आय का आनंद ले रहे थे‟ जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त नहीं कर ली। ईडी ने आगे दावा किया कि गांधी परिवार ने न केवल अपराध से प्राप्त धन को अर्जित करके धन शोधन किया, बल्कि उस पेसे को अपने पास भी रखा। ईडी ने बताया कि नेशनल हेराल्ड के संबंध में सोनिया गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य के खिलाफ प्रथम दृष्टया धन शोधन का मामला सामने आया है। इस बीच, न्यायाधीश ने संघीय एजेंसी को शिका यतकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी को एक प्रति उपलब्ध कराने का आदेश दिया। ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू करने के बाद हाल ही में अपना आरोपपत्र दाखिल किया। नेशनल हेराल्ड मामले में पहली शिकायत 2012 में दर्ज की गई थी। हालांकि, ईडी ने 2014 में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले की जांच शुरू की। यह तब हुआ जब एक ट्रायल कोर्ट ने 2012 में स्वामी की ओर से दायर एक निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर अनियमितताओं की आयकर जांच का संज्ञान लिया था। आरोपों के अनुसार 2010 में, नेशनल हेराल्ड प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) में 1,057 शेयरधारक थे। स्वामी की शिकायत के अनुसार, गांधी परिवार ने धोखाधड़ी, आपराधिक गबन और विश्वासघात के जरिए यंग इंडियन लिमिटेड (वाईआईएल) का इस्तेमाल कर एजेएल का अधिग्रहण किया। 2008 में भारी कर्ज के बोझ तले दबी एजेएल ने वित्तीय तंगी का हवाला देते हुए नेशनल हेराल्ड

का प्रकाशन बंद कर दिया। दो साल बाद वाईआईएल बना। सोनिया और राहुल गांधी के पास इसके 38–38 फीसदी शेयर थे, जो संयुक्त रूप से 78 फीसदी था। चूंकि एजेएल पर कांग्रेस का 90.25 करोड़ रुपए बकाया था इसलिए पार्टी ने 50 लाख रुपए में इस लोन को वाईआईएल को हस्तांतरित कर दिया।

संपादकीय

ऑपरेशन असहिष्णुता

किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि वहां सभी तरह की वैचारिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए। बशर्ते अभिव्यक्ति समाज में विभाजन की कारक और राष्ट्र के हितों के विरुद्ध न हो। हरियाणा में अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की सोशल मीडिया पोस्ट पर उठे विवाद के बाद की गई गिरफ्तारी ने कई सवालों को जन्म दिया है। दरअसल, प्रोफेसर अली खान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के कुछ पहलुओं को लेकर सवाल उठाए थे। यह घटनाक्रम हमें याद दिलाता है कि देश में असहमति के विचारों को कैसे देश के विरुद्ध दर्शाया जा रहा है। हरियाणा पुलिस ने अपनी कार्रवाई के पक्ष में दलील दी है कि प्रोफेसर की टिप्पणी भारत की एकता को खतरे में डालने वाली है। निस्संदेह, यह घटना विचार और स्वतंत्र अभिव्यक्ति को संदिग्ध रूप में दर्शाने का उपक्रम नजर आता है। यह स्पष्ट है कि प्रोफेसर महमूदाबाद की आवाज कोई सतही टिप्पणी नहीं है। वे एक सम्मानित अकादमिक और सार्वजनिक विमर्श में सक्रिय रहने वाले बुद्धिजीवी हैं। जिन्हें भारत के सामाजिक और राजनीतिक ताने–बाने के साथ विचारशील जुड़ाव के लिये जाना जाता है। उनकी टिप्पणी भले ही कितनी भी आलोचनात्मक क्यों न हो, उसे राष्ट्रीय एकता के लिये खतरे के रूप में चित्रित करना एक अतिशयोक्ति ही कही जाएगी। निश्चित रूप से इस मामले में पुलिस की कार्रवाई एक ऐसी अस्वीकार्य मिसाल है, जो कालांतर लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण ही करती है। प्राचीन काल से ही हमारे विश्वविद्यालय रचनात्मक बहस के लिये उपयुक्त स्थान के रूप में जाने जाते रहे हैं। जहां राज्य की निगरानी के जरिये हस्तक्षेप की गुंजाइश नहीं होती थी। सवाल इस घटनाक्रम के समय व संदर्भ को लेकर भी उठाए जा रहे हैं। निश्चित रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर', एक ऐसा सैन्य अभियान था, जिसे व्यापक सार्वजनिक जनसमर्थन और मीडिया कवरेज मिली। सही मायने में एक परिपक्व लोकतंत्र में किसी भी आलोचना को सहज भाव से लिया जाना चाहिए। निस्संदेह, स्वतंत्र वैचारिक अभिव्यक्ति पर सवाल खड़े करना और उसे दंडात्मक कार्रवाई के जरिये दबाने का प्रयास अस्वीकार्य ही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अकादमिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी किसी सत्ताधारी व्यवस्था की मर्जी से दिए गए विशेषाधिकार नहीं है, ये संवैधानिक गारंटी हैं। यह सुखद ही है कि देश की सर्वोच्च अदालत ने प्रोफेसर महमूदाबाद की याचिका पर सुनवाई करने के लिये सहमति दे दी है। जो इस मामले में एक उम्मीद की किरण कही जा सकती है। लेकिन सार्वजनिक जीवन में अपमान के बाद राहत के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों से जूझना व्यक्ति के लिये कष्टदायक ही है। यह सही समय है कि हमारी संस्थाएं देशभक्ति को अंध आज्ञाकारिता के रूप में परिभाषित न करें। सही मायनों में सच्ची देशभक्ति सवाल करने, विचार करने और यहां तक कि असहमति जताने की क्षमता में निहित है। जिसको लेकर सलाखों के पीछे डालने का भय नहीं होना चाहिए। सही मायनों में एक ट्वीट पर एक प्रोफेसर की गिरफ्तारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा नहीं करती बल्कि यह केवल राष्ट्रीय असुरक्षा को ही उजागर करती है।

साइबर कवच की कमियां दूर करने की दरकार

दिनेश सी

पिछले दिनों जब भारत–पाकिस्तान टकराव के दौरान देश के रणनीतिक महत्त्व के ठिकानों को निशाना बनाकर दागी गई मिसाइलों और ड्रोनों को मार गिराया जा रहा था तो ठीक उसी वक्त दुश्मन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र में चल रहे इस संग्राम के अलावा भी एक महत्वपूर्ण परिचालन को बाधित करने के प्रयास किए जा रहे थे। देश की साइबर सुरक्षा एजेंसी, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी–आईएन) ने रैनसमवेयर हमलों, डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) घटनाओं के अतिरिक्त कुछ रक्षा संस्थाओं की वेबसाइटों को बिगाड़ने, डेटा में सेंध लगाने और मैलवेयर इन्फेक्शन के रूप में साइबर हमलों में अत्यधिक वृद्धि की पहचान की व उसे विफल किया। ऐसे हमलों को सिस्टम और सेवाओं की इंटेग्रिटी, गोपनीयता और उपलब्धता के लिए बड़ा जोखिम माना जाता है। एजेंसी ने उच्च खतरे की रेटिंग वाले साइबर हमलों को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके आधार पर, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और अन्य वित्तीय एजेंसियों ने अपने सदस्यों और बाजार प्रतिभागियों को सतर्क किया। उन्हें साइबर सुरक्षा तंत्र की समीक्षा करने और महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के कदम उठाने के लिए आवश्यक उपाय करने की सलाह दी गई। बैंकिंग, शेयर बाजार, वित्तीय सेवाएं, लाभ हस्तांतरण और ई–शिक्षा जैसी डिजिटल सेवाओं की सुरक्षा इस 'रीढ़' यानी दूरसंचार और इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर के सुरक्षित रहने पर निर्भर है। यह आगे हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्क सुरक्षित रहने पर आधारित है। इस 'रीढ़' में किसी भी स्तर पर सेंध संभावित रूप से करोड़ों लोगों को प्रभावित कर सकती है, क्योंकि लगभग 115 करोड़ भारतीय दूरसंचार नेटवर्क और उन पर आधारित सेवाएं उपयोग करते हैं। सुरक्षा में सेंध का जोखिम न्यूनतम रखने का मतलब है हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का हरेक अंग निरापद बनाना– दूरसंचार नेटवर्क और क्लाउड सर्वर से लेकर मोबाइल फोन और सुरक्षा कैमरे तक को। हाल के वर्षों में, स्विच, राउटर, रिपीटर और गेटवे जैसे महत्वपूर्ण दूरसंचार नेटवर्क उपकरणों का आयात, या तो सीधे जेडटीई और हुआवे जैसी चीनी कंपनियों से या उनकी घटक कंपनियों से किया गया, जो भारत सहित कई देशों में चिंता का विषय है। ऐसे हार्डवेयर ऑनबोर्ड सॉफ्टवेयर में, फैक्टरी सेटिंग्स और डिफॉल्ट पासवर्ड में पहले से ही संलग्न रहते हैं जिनसे गंभीर सुरक्षा जोखिम हो सकता है। इस खतरे को भांपते हुए, जो बाइडेन प्रशासन ने दूरसंचार नेटवर्क से चीनी उपकरणों को 'चिह्नित करने और बदलने' के लिए 2021 में 'रिप–एंड–रिप्लेस' पहल शुरू की थी। कुछ यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने भी अपने 5–जी नेटवर्क में चीनी कंपनियों की भागीदारी सीमित करने या हटाने के कदम उठाए। भारत में भी विशेषज्ञों ने ऐसी ही पहलकदमी का सुझाव दिया, क्योंकि चीनी उपकरणों पर सरकारी प्रतिबंधों के बावजूद, कई आपूर्तिकर्ता चीनी कंपनियों से दूरसंचार उपकरण खरीदना जारी रखे हैं। पिछले साल वॉयस ऑफ इंडियन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंटरप्राइजेज नामक उद्योग संगठन द्वारा किए गए अध्ययन में चेतावनी दी गई कि सुरक्षा क्षेत्र में संवेदनशील उत्पादों सहित चीनी मूल के कई उत्पादों को सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों की खरीद में शामिल करने की अनुमति दी हुई थी। निर्देश हैं कि सरकारी एजेंसियों को अपनी आवश्यकता की पूर्ति गवर्नमेंट ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल से करनी चाहिए। किंतु कई व्यापारी चीन से उपकरण खरीदकर, इन्हें वाया सिंगापुर या थाईलैंड भारत लाकर बेचते हैं, व इनमें मामूली हेरफेर कर,'मेड इन इंडिया' का ठप्पा लगाकर जीईएम पर बेचने के लिए सूचीबद्ध करते हैं। रक्षा इकाइयों सहित सरकारी एजेंसियां, जीईएम पोर्टल से ऐसे ड्रोन खरीद रही थीं, जिनमें कुछ चीनी मूल के थे। सीईआरटी–आईएन द्वारा किए एक विश्लेषण के अनुसार, मानव रहित विमान प्रणाली या ड्रोनों के हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, संचार प्रणाली और परिचालन प्रक्रियाओं के अंदर जटिल अंतःक्रियाएं शामिल होती हैं– जिनमें मैलवेयर से संक्रमित होने का जोखिम बना रहा है। मसलन, मैलवेयर को स्वीकार किए गए किसी नए अपडेट या रिमोट सर्विस

एक्सेस के माध्यम से ड्रोन के फर्मवेयर में इंजेक्ट किया जा सकता है, जिससे आगे भी मैलवेयर डालने, डाटा तक अनधिकृत पहुंच करने या परिचालन को बिगाड़ा जा सकता है। यह मैलवेयर छेड़छाड़ किए गए अपडेट्स या रिमोट सेवा द्वारा भी डालना संभव है। इसलिए, संवेदनशील उपकरण के लिए सोर्स कोड तक पहुंच होना महत्वपूर्ण है, और यह तभी संभव है जब सप्लायर भारत का हो। सप्लायर मानकों और विनियमों में कमजोरियों का भी लाभ उठाते हैं। मसलन, लगभग 450 कंपनियां बिना कोई राष्ट्रीय मानक प्रमाणपत्र जीईएमपोर्टल पर सुरक्षा कैमरे बेचती पाई गईं। एसटीक्यूसी (मानकीकरण परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन) प्रणाली के तहत गुणवत्ता, सुरक्षा और साइबर सुरक्षा मानकों पर कसने और लागू करने के बाद, इनमें केवल 13 कंपनियां ही योग्यता पर खरी उतरीं। दूरसंचार प्रणाली का सबसे छोटा हिस्सा, जैसे सिम कार्ड भी असुरक्षित हो सकता है क्योंकि इसमें एम्बेडेड सॉफ्टवेयर या ऑपरेटिंग सिस्टम (मोबाइल फोन के ऑपरेटिंग सिस्टम के अलावा) होते हैं। मोबाइल फोन कंपनियां चीन सहित विभिन्न स्रोतों से सिम कार्ड में इस्तेमाल होने वाले चिपसेट खरीदती हैं। भारत में उपयोग किए जा रहे सिमकार्डों में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के तहत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक कार्यालय द्वारा अनिवार्य 'विश्वसनीयता स्रोत अनुमोदन' प्रमाणपत्र बगैर चल रहे हैं। इनमें से कुछ सिम संवेदनशील पदों और स्थानों पर कार्यरत लोगों के फोन में हो सकते हैं, जो बड़ा जोखिम पैदा करते हैं। हाल ही में, सरकार ने इस मुद्दे पर ध्यान देना शुरू किया। इसका उपाय है, ऐसे करोड़ों सिम कार्ड बदलना और भारतीय ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग अनिवार्य करना। लेबनान में पेजर और वॉकी–टॉकी उपकरण फटने की याद अभी भी ताजा है। अतीत में, हमारे यहां निरूशुल्क ईमेल सेवाएं, जैसे चीनी स्कैनिंग सॉफ्टवेयर कैमस्कैनर (अब प्रतिबंधित) और सुरक्षा जोखिम वाले वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग संवेदनशील सरकारी कार्यालयों में उपयोग किए ।

कोरोना की दस्तक पर सजगता जरूरी

ऋतुपर्ण

देश–दुनिया पर कोरोना का संकट एक बार फिर मंडरा रहा है। वैसे देश में प्रभावितों की संख्या मामूली है। 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। अभी बीते सप्ताह के ताजे आंकड़ों के अनुसार संख्या कम जरूर है लेकिन सच्चाई भी है कि मामले या तो समझ नहीं आ रहे या दर्ज नहीं हो रहे हैं। बीते सप्ताह केरल में 69, महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले दर्ज हुए। लेकिन शेष एशिया में जिस तरह से कोविड के मामले दर्ज हो रहे हैं, वे चिंता बढ़ाते दिख रहे हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह तेजी से फैल रहा है। अभी नया वैरिएंट जेएन–1 का प्रकोप जारी है। यह पहली बार अगस्त, 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर, 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमिक्रॉन बीए 2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एलएफ7 और एनबी1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ–ईस्ट एशिया में ज्यादा असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़े हैं। अकेले सिंगापुर में मई की शुरुआत में 14,200 से ज्यादा नए मामले आए। इन जगहों पर भी जेएन1 और उसके उप–वैरिएंट ज्यादा मिल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों में बढ़ते मामलों का कारण वहां लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावना से इंकार नहीं है। तमिलनाडु, केरल और महाराष्ट्र में धीरे ही सही, इसका बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है। बीते 18 मई को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोरोना संक्रमित हुए तो दूसरे ही दिन बिग बॉस फेम शिल्पा शिरोडकर भी शिकार हो गईं। इतना तो समझ आ गया है कि सिंगापुर अब नया हॉटस्पॉट बनकर उभर रहा है। सप्ताहभर में ही संक्रमण के मामलों में 28 फीसदी की वृद्धि चिंताजनक है। चीन से छन–छनकर जो निकल रहा है वहां भी बीते एक महीने में कोरोना मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन चीन से जितने वैरिएंट सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा। इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वे हैं जो कोमोरबिडिटी यानी सह–रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोरबिडिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वाले बुजुर्गों, कोमोरबिडिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड–19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। मुंबई के एक अस्पताल में दो मरीजों की मौत के बाद भ्रम की स्थिति बनी है। अस्पताल ने इन्हें गंभीर बीमारियों से हुई मौत बताया जिसका कोविड–19 से कोई संबंध नहीं था। अस्पताल का कहना है कि मौतें कोविड–19 से नहीं, बल्कि हाइपोकैल्सीमिक दौरे और कैंसर के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी गंभीर बीमारियों के कारण हुई हैं। लेकिन चर्चा है कि दोनों मृतकों में कोविड के लक्षण थे। लगता नहीं कि ऐसी ऊहापोह वाली स्थितियों से कोविड को लेकर फिर पहले जैसा भ्रम फैलेगा? भारत में फिर से कोरोना वायरस के मामले धीरे–धीरे बढ़ने लगे हैं। हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का बयान चिंताजनक है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं।

.... विविध ....

गर्मियों में बादाम खाना सही या गलत

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की चुनौतियां लेकर आता है दृ लू, डिहाइड्रेशन, पेट की समस्याएं और स्किन रिएक्शन। ऐसे में खानपान को लेकर लोग काफी सतर्क हो जाते हैं। खासकर कुछ चीजें जैसे बादाम, जिन्हें आमतौर पर हेल्दी माना जाता है, उनके सेवन को लेकर गर्मियों में कई सवाल उठते हैं।

क्या गर्मियों में बादाम खाना सही है? क्या इससे शरीर को नुकसान हो सकता है? एक्सपर्ट्स का मानना है कि बादाम फायदेमंद जरूर है, लेकिन अगर इसे गलत तरीके से या ज्यादा मात्रा में खाया जाए, तो इससे कई परेशानियां भी हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि गर्मी में बादाम खाने के फायदे, नुकसान और सही तरीका क्या है।

गर्मियों में बादाम खाने के नुकसान

गर्म तासीर से शरीर में बढ़ती है गर्मी

बादाम की तासीर गर्म मानी जाती है, जिसका मतलब है कि यह शरीर के अंदर गर्मी उत्पन्न करता है। गर्मी के मौसम में जब बाहर का तापमान पहले से ही अधिक होता है, तब ऐसे खाद्य पदार्थ शरीर के तापमान को और बढ़ा सकते हैं। इससे शरीर में सिरदर्द, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, नींद न आना और थकावट जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार यह गर्मी शरीर में हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर स्थिति भी पैदा कर सकती है।

फैट और कैलोरी में बढ़ोतरी

बादाम में मौजूद हेल्दी फैट आमतौर पर शरीर के लिए अच्छा होता है, लेकिन गर्मियों में ज्यादा बादाम खाने से शरीर में अनावश्यक कैलोरी और फैट जमा होने लगता है। यह न सिर्फ वजन बढ़ाता है बल्कि मेटाबॉलिज्म को भी धीमा कर सकता है। गर्मियों में शरीर की पाचन क्षमता वैसे भी थोड़ी कम हो जाती है, ऐसे में ज्यादा कैलोरी इनटेक से वजन नियंत्रण में रहना मुश्किल हो जाता है और बार–बार भूख लगने की आदत भी बिगड़ जाती है।

पाचन तंत्र पर असर

बादाम में फाइबर की मात्रा अच्छी होती है, लेकिन सीमित मात्रा में। जब आप इन्हें अधिक मात्रा में खाते हैं तो यह पाचन तंत्र पर भारी पड़ सकता है। इससे पेट फूलना, गैस बनना, अपच, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। गर्मियों में पानी की कमी और पसीने के कारण शरीर पहले से ही डिहाइड्रेट रहता है, ऐसे में भारी फाइबर डाइट से शरीर पानी और ऊर्जा खोने लगता है, जिससे पाचन तंत्र कमजोर हो सकता है।

थकान और कमजोरी

बादाम में मौजूद विटामिन–ई त्वचा और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन इसकी अधिकता से शरीर पर विपरीत असर भी हो सकता है। गर्मियों में बादाम अधिक मात्रा में लेने से शरीर में विटामिन–ई की मात्रा अधिक हो सकती है, जिससे मांसपेशियों में थकावट, नींद में बाधा, सिर भारी होना और कमजोरी महसूस हो सकती है। साथ ही कुछ लोगों को इससे डायरिया या दस्त जैसी समस्याएं भी घेर सकती हैं।

स्किन पर असर

गर्म तासीर वाले बादाम का सीधा असर त्वचा पर भी देखने को मिलता है। जिन लोगों की त्वचा पहले से संवेदनशील होती है, उन्हें चेहरे पर मुंहासे, स्किन एलर्जी, पसीने की खुजली और लाल दाने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। यह स्थिति तब और बिगड़ जाती है जब बादाम का सेवन बिना भिगोए किया जाए। इससे त्वचा की नमी खत्म होने लगती है और त्वचा की प्राकृतिक चमक भी धीरे–धीरे कम हो सकती है।

गर्मियों में बादाम खाने का सही तरीका

अगर आप गर्मियों में भी बादाम का सेवन करना चाहते हैं तो सबसे अच्छा तरीका है कृ भीगे हुए बादाम खाना। रात में 6दृ7 बादाम पानी में भिगो दें और सुबह छीलकर खाली पेट खाएं। भीगने के बाद बादाम में मौजूद गर्म तासीर कम हो जाती है और यह शरीर में जल्दी पचता है। भीगे हुए बादाम लिपेस एंजाइम छोड़ते हैं, जो वसा को तोड़ने और पचाने में मदद करता है। इससे शरीर को भरपूर पोषण भी मिलता है और गर्मी से जुड़ी समस्याएं भी नहीं होतीं।

कैसे भिगोएं बादाम

रात में 6–7 बादाम एक कटोरी पानी में भिगोकर रखें

कम से कम 10–12 घंटे तक भीगने दें

सुबह छिलका हटाकर खाली पेट खाएं

भीगे हुए बादाम से गर्मी कम हो जाती है, और इसमें मौजूद एंजाइम लिपेस पाचन को आसान बनाता है। इससे शरीर को न्यूट्रिशन तो मिलता है, लेकिन गर्मी नहीं होती।

गर्मियों में बादाम खाना पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन इसका सेवन सही तरीके से और सीमित मात्रा में किया जाए तो ही यह लाभकारी साबित होता है। भिगोकर खाएं, 6–7 से ज्यादा न खाएं और शरीर की प्रतिक्रिया पर ध्यान दें।

चेहरे पर लगाएं ये एक चीज, पिगमेंटेशन की समस्या होगी छूमंतर

पिगमेंटेशन एक ऐसी समस्या है, जो आजकल लगभग हर किसी को परेशान करती है। चेहरे पर काले धब्बे, त्वचा का असमान रंग और सूरज की किरणों से होने वाली कालापन, ये सब पिगमेंटेशन के लक्षण हैं। हालांकि, इस समस्या से छुटकारा पाना अब मुश्किल नहीं है। यदि आप अपनी त्वचा को प्राकृतिक तरीके से सुंदर और ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो कच्चे दूध का उपयोग आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। कच्चा दूध और कुछ अन्य छंजनतंस चीजों को मिलाकर आप पिगमेंटेशन की समस्या को आसानी से दूर कर सकते हैं।

कच्चा दूध और पिगमेंटेशन कैसे काम करता है?

कच्चे दूध में कई पोषक तत्व होते हैं, जैसे कि कैल्शियम, लैक्टिक एसिड और विटामिन, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद हैं। लैक्टिक एसिड त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जिससे मृत कोशिकाएं हटती हैं और नई त्वचा उभरती है। यह त्वचा को नरम और मुलायम भी बनाता है। इसके अलावा, कच्चा दूध त्वचा के प्राकृतिक रंग को बेहतर बनाने में मदद करता है और पिगमेंटेशन को कम करता है।

हल्दी और कच्चा दूध

हल्दी में एंटीऑक्सिडेंट्स और एंटी–इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा को निखारने के साथ–साथ सूजन और जलन को भी कम करते हैं। हल्दी और कच्चे दूध का मिश्रण पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है। एक चम्मच हल्दी पाउडर लें। उसमें 2–3 चम्मच कच्चा दूध मिलाएं। अच्छे से मिश्रण को बनाकर चेहरे पर लगाएं। 15–20 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह मिश्रण त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करता है और पिगमेंटेशन को कम करता है।

नींबू और कच्चा दूध

नींबू में विटामिन C होता है, जो त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करता है। नींबू का रस त्वचा को सफेद और चमकदार बनाता है, जबकि कच्चा दूध त्वचा को हाइड्रेट करता है। आधे नींबू का रस निकालें। उसमें एक चम्मच कच्चा दूध मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में चेहरे को धो लें। यह फेस पैक पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है और त्वचा को हल्का और निखरा बनाता है।

कच्चे दूध के अन्य फायदे

कच्चा दूध त्वचा को गहरे स्तर पर हाइड्रेट करता है। यह त्वचा को नमी प्रदान करता है, जिससे त्वचा में कोमलता और चमक बनी रहती है। कच्चा दूध त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने का काम करता है। इससे त्वचा पर मौजूद गंदगी और धूल मिटती है, और त्वचा साफ और ताजगी से भरपूर नजर आती है। कच्चा दूध चेहरे के रंग को समान बनाने में मदद करता है।

यह त्वचा के काले धब्बों को हल्का करता है और त्वचा के टोन को एक समान बनाता है।

कच्चा दूध से संबंधित कुछ सावधानियां

अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव है, तो कच्चे दूध का उपयोग करने से पहले पैच टेस्ट करें। नींबू का उपयोग ज्यादा न करें, क्योंकि यह त्वचा को सूखा कर सकता है। अगर आपकी त्वचा में किसी प्रकार की जलन या एलर्जी हो, तो इसे तुरंत धो लें और डॉक्टर से सलाह लें।

आलू और कच्चा दूधरू आलू में ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं। आलू का रस और कच्चा दूध मिलाकर लगाने से पिगमेंटेशन कम होता है और त्वचा में निखार आता है।

बेसन और कच्चा दूधरू बेसन और कच्चा दूध का मिश्रण एक बेहतरीन स्क्रब की तरह काम करता है। यह त्वचा को मुलायम बनाता है और डेड सेल्स को हटाकर त्वचा को ताजगी प्रदान करता है।

कच्चा दूध और कुछ प्राकृतिक चीजों का संयोजन पिगमेंटेशन की समस्या को कम करने में बेहद प्रभावी साबित हो सकता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि घरेलू उपायों के साथ–साथ सही आहार, नियमित पानी पीना और सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव भी महत्वपूर्ण है। इन प्राकृतिक उपायों का नियमित रूप से पालन करने से आपकी त्वचा में निखार आएगा और पिगमेंटेशन की समस्या धीरे– धीरे दूर हो जाएगी।

प्रदेश की नौकरशाही में बड़ा बदलाव, हरदोई, बलिया सहित कई जिलों के डीएम बदले

लखनऊ, (संवाददाता)। शासन ने मंगलवार देर रात हरदोई, बलिया, महराजगंज और पीलीभीत के डीएम समेत 14 आईएएस और 6 पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। अपर मुख्य सचिव, वित्त, प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार को वर्तमान पदों के साथ कृषि उत्पादन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अब तक यह अतिरिक्त प्रभार मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के पास था। हरदोई के डीएम मंगला प्रसाद सिंह को बलिया का डीएम और बलिया के डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार को संयुक्त प्रबंध निदेशक उप्र. जल निगम नगरीय बनाया गया है। महराजगंज के डीएम अनुनय झा को हरदोई का डीएम और अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी व अयोध्या के नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा को महराजगंज का डीएम बनाया गया है। सीडीओ

सिद्धार्थनगर जयेंद्र कुमार को मुख्य कार्यपालक अधिकारी अयोध्या तीर्थ विकास परिषद तथा नगर आयुक्त अयोध्या, मृणाली अविनाश जोशी संयुक्त मजिस्ट्रेट गोरखपुर को सीडीओ सिद्धार्थनगर, रविंद्र कुमार प्रथम विशेष सचिव संस्कृति विभाग तथा निदेशक धर्मार्थ कार्य को विशेष सचिव कृषि, कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार तथा कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। संयुक्त प्रबंध निदेशक उप्र. जल निगम नगरीय ज्ञानेंद्र सिंह को पीलीभीत का डीएम बनाया गया है। पीलीभीत के डीएम संजय कुमार सिंह को विशेष सचिव संस्कृति विभाग तथा निदेशक धर्मार्थ कार्य बनाया गया है। अपूर्वा दुबे उपाध्यक्ष अलीगढ़ विप्रा को निदेशक सूडा, कुलदीप मीणा सीडीओ बुलंदशहर को उपाध्यक्ष अलीगढ़ विप्रा, निशा संयुक्त मजिस्ट्रेट मथुरा को सीडीओ बुलंदशहर और प्रेरणा शर्मा निदेशक सूडा को विशेष सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बनाया गया है। इसके अलावा 6 पीसीएस अधिकारियों के भी ट्रांसफर किए गए हैं। स्थानांतरित छह पीसीएस अफसरों में प्रकाश चंद्र एडीएम प्रोटोकॉल एवं कानून–व्यवस्था वाराणसी को एडीएम न्यायिक हाथरस, शिव नारायण एडीएम न्यायिक हाथरस को एडीएम न्यायिक बागपत बनाया गया है। विनीत कुमार सिंह एडीएम वित्त एवं राजस्व गोरखपुर को एडीएम नगर गाजियाबाद, हिमांशु वर्मा नगर मजिस्ट्रेट गोरखपुर को एडीएम वित्त एवं राजस्व गोरखपुर, उत्कर्ष श्रीवास्तव एसडीएम संतकबीरनगर को नगर मजिस्ट्रेट गोरखपुर, अलंकार अग्निहोत्री सहायक नगर आयुक्त लखनऊ को नगर मजिस्ट्रेट बरेली बनाया गया है।

प्रदेश में इसी महीने एक करोड़ से अधिक बच्चों की होगी डीबीटी, खाते में भेजे जाएंगे 1200 रुपये

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले एक करोड़ से ज्यादा बच्चों को निःशुल्क बैग, ड्रेस, स्वेटर, जूता–मोजे के लिए 1200 रुपये डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (डीबीटी) किया जाएगा। यह डीबीटी बच्चों के अभिभावकों के खाते में भेजा जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इसके लिए आवश्यक तैयारी पूरी कर मुख्यमंत्री का कार्यक्रम के लिए समय मांगा गया है। प्रदेश के 1.33 परिषदीय विद्यालयों में पिछले सत्र 2024–25 में लगभग 1.51 करोड़ बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। जबकि नए सत्र 2025–26 के लिए नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत एक करोड़ से ज्यादा बच्चों का नामांकन पूरा हो चुका है। इसमें नए सत्र में कक्षा एक और छह में लगभग 4 लाख नए बच्चों के नामांकन भी हुए हैं। विभाग का प्रयास है कि नए सत्र की शुरुआत में ही बच्चों के अभिभावकों के खाते में यह पैसे भेज दिए जाए ताकि गर्मी की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुले तो बच्चे पूरे ड्रेस में बैग आदि के साथ आएं। पूर्व के वर्षों में डीबीटी होने में काफी समय लग जाता था। इसके तहत पिछले साल भी इसे जून–जुलाई में कराया गया था। इस साल इसे मई के आखिरी सप्ताह में भी कराने की तैयारी है। इसके लिए शासन व समग्र शिक्षा आदि मद से बजट का प्रावधान भी कर लिया गया है।

राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के तबादलों में भी माइनस मार्किंग

राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के वार्षिक तबादला नीति के तहत ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए हालांकि, आकांक्षी जिलों में सभी रिक्तियां प्रदर्शित की जाएंगी। तबादले ऑनलाइन आवेदन से होंगे। इच्छुक शिक्षक खाली पदों के लिए 10 विद्यालयों की वरीयता दे सकेंगे। 31

शासन ने निर्देश जारी किए हैं। इसमें शिक्षकों के तबादले के लिए भारांक जारी करने के साथ ही माइनस मार्किंग को भी लागू किया गया है। लघु दंड पाने वाले शिक्षक के पांच नंबर और पिछले तीन साल में वृहद दंड पाने पर 10 नंबर काटे (नकारात्मक) जाएंगे।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव उमेश चंद्र की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि उन्हीं विद्यालयों में रिक्तियां प्रदर्शित की जाएंगी, जहां पर तीन या तीन से कम सहायक अध्यापक हैं। इंटर स्तर के विद्यालयों में तीन सहायक अध्यापक व तीन प्रवक्ता से कम शिक्षक कार्यरत हैं। इससे अधिक होने पर रिक्तियां नहीं दिखाई जाएंगी।

मार्च 2022 के बाद नियुक्त शिक्षक ऑनलाइन तबादले के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। राजकीय बालिका इंटर व हाईस्कूल के लिए केवल महिला अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगी। एक पद आवेदकों का गुणांक समान होने पर अधिकतम आयु वाले को वरीयता मिलेगी।

ऐसे होगा भारांक

दिव्यांग आवेदक को 20 नंबर, दंपती के राजकीय सेवा में होने पर 20 नंबर, गंभीर बीमार होने या बच्चों के दिव्यांग होने पर 15 नंबर, सेवानिवृत्ति के दो साल से कम होने पर 15 नंबर, पहली नियुक्ति की तिथि से दस साल की सेवा पर अधिकतम 20 नंबर दिए जाएंगे। तबादले अधिकतम 10 फीसदी तक ही होंगे और प्रक्रिया 15 जून तक पूरी होगी।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षामित्रों के बहिष्कार के बीच स्कूलों में समर कैंप शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में गर्मियों की छुट्टियों के बीच समर कैंप की शुरुआत बुधवार को हुई। समर कैंप की शुरुआत बक्शी का तालाब स्थित सरैया उच्च

प्राथमिक विद्यालय से स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने की। इस दौरान स्कूल में बच्चों ने आर्ट, योग, नृत्य, गीत संगीत व खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की। लखनऊ के अलग अलग उच्च व कंपोजिट सरकारी स्कूलों में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक श्याम किशोर तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रामप्रवेश, खंड शिक्षा अधिकारी प्रीति शुक्ला मौजूद रहे।

नौनिहालों को पारंपरिक लोकनृत्य और कलाओं में पारंगत करने का उद्देश्य– महानिदेशक

इस बारे में अमर उजाला से बातचीत में शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने कहा कि समर कैंप का उद्देश्य है कि पढ़ाई के साथ साथ नौनिहालों को पारंपरिक लोकनृत्य और कलाओं में पारंगत किया जाए। उन्होंने कहा की खेल–खेल में नौनिहालों का कौशल भी निखरेगा। उन्होंने कहा ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैम्प) में कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। 15 जून तक सुबह सात बजे से सुबह 10ः30 बजे तक चलने वाली पाठशाला के संचालन की जिम्मेदारी अनुदेशकों और शिक्षा मित्रों को दी गई है। इसमें विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहयोग करेंगे। बता दें कि 21 मई से 10 जून तक चलने वाले समर कैंप को लेकर शिक्षामित्रों ने बहिष्कार की चेतावनी दी थी। समर कैंप में बच्चों को मौसमी फल, खीरा, ग्लूकोज बिस्किट, मूंगफली दाना वाली नमकीन भी दी जाएगी।

रोड किनारे पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के गोसाईंगंज के बरुआ निवासी मजदूर मोहित रावत (27) ने बुधवार को गले में फंदा लगाकर जान दे दी। हालांकि आत्महत्या का कारण नहीं पता चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक सुशांत गोल्फ सिटी के डिगड़िगा निवासी मोहित के पिता बेचालाल की करीब पांच साल पहले मौत हो चुकी है। उनकी मौत के बाद मोहित अपनी मां के साथ गोसाईंगंज के बरुआ में रहने लगा। बुधवार को मोहित ने फतेहपुर में गोमती नदी के पास सड़क किनारे चिलबिल के पेड़ से गमछे से फंदा लगा कर जान दे दी।

महिला की संदिग्ध हालत में मौत, दुर्घटना पर नहीं हुआ यकीन

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज के हुलास खेड़ा नहर पर एक महिला का शव मिला है। महिला के शव से कुछ दूर पर उसका पति भी लेटा मिला। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस को मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने महिला के पति व एक युवक को हिरासत मे लेकर पूछताछ की। आशंका है कि चाकुओं से गोदकर महिला की हत्या की गई है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार की रात लगभग दस बजे हुलास खेड़ा गांव के पास नहर पर बाइक एक्सीडेंट की सूचना मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस को महिला मुस्कान (25) का शव मिला जिसके पेट में धारदार हथियार के गहरे घाव मिले। महिला का पति आरिफ शव से कुछ दूर लेटा हुआ था और उसने बाइक में अज्ञात वाहन से टक्कर होने की बात बताई। मामला संदिग्ध लगने पर महिला के पति को पुलिस ने हिरासत मे ले लिया। उससे कुछ जानकारी मिलने पर पुलिस ने महिला के किराएदार को भी हिरासत मे लिया गया है। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि एक्सीडेंट की सूचना मिली थी लेकिन घटना संदिग्ध लग रही है। महिला के मायके जालौन सूचना दे दी गई है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। आरिफ ने महिला से दूसरा विवाह किया था। मायकेवालों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

अंबेडकरनगर के एक स्कूल में मिले दो किशोरों के शव

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अंबेडकरनगर जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र के भीउरा ग्राम सभा में प्राइमरी स्कूल में दो किशोरों के शव मिले। इनमें एक का शव फंदे से लटक रहा था, जबकि दूसरा जमीन पर पड़ा हुआ मिला। सुबह ग्रामीणों ने शव देखे तो हड़कंप मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने भी मौके पर पहुंच कर छानबीन शुरू की है। हालांकि अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। चेहरा देखकर यह प्रतीत हो रहा है कि दोनों ही नाबालिग हैं। ग्रामीणों के अनुसार दोनों लोग गांव के नहीं है। मंगलवार रात में गांव में एक वैवाहिक कार्यक्रम भी था, जिसमें बाहर से लोग आए हुए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए गांव के अलावा वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आए लोगों से भी शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली। इनके पास से मोबाइल या अन्य दस्तावेज भी नहीं मिले हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि हत्या कर शव लटकाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एलडीए ने सील किया मोहन होटल का अवैध निर्माण

लखनऊ, (संवाददाता)। चारबाग स्थित मोहन होटल में शनिवार को आग लगने की घटना के बाद जागे एलडीए ने मंगलवार को होटल का अवैध निर्माण सील कर दिया। चार मंजिला होटल की एक मंजिल अवैध है। इसे ध्वस्त करने का आदेश प्राधिकरण 16 मई को जारी कर चुका है। इसमें 15 दिन का समय खुद कब्जा तोड़ने के लिए दिया गया है। इसके बाद एलडीए खुद अवैध निर्माण तोड़ेगा। संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह ने बताया कि एपी सेन रोड पर भूखंड संख्या–95ए214 पर अनिल अग्रवाल का मोहन होटल है। इसका मानचित्र वर्ष 1935 में तीन तल तक निर्माण के लिए पास किया गया था, जबकि मौके पर चार मंजिला भवन का निर्माण पाया गया। इस पर विहित प्राधिकारी न्यायालय से 16 मई को अनाधिकृत निर्माण ध्वस्त करने का आदेश पास किया गया। प्रवर्तन जोन छह के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने सोमवार को टीम के साथ स्थल का निरीक्षण करके रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके आधार पर अवैध निर्माण को सील करने के आदेश दिए गए। इसके बाद मंगलवार को जोनल अधिकारी के नेतृत्व में गई प्रवर्तन टीम ने होटल की ऊपरी मंजिल पर निर्मित अवैध हिस्से (चार कमरे, हॉल, स्टोर, बॉथरूम आदि) को सील कर दिया। जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि ध्वस्तीकरण के पूर्व पारित आदेश के अनुसार होटल प्रबंधन को 15 दिन के अंदर अपने स्तर से अवैध निर्माण ध्वस्त करने का अल्टीमेटम दिया गया है।

स्मारक–पार्क संवारने पर खर्च होंगे 73 करोड़ रुपये

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सरकार में लखनऊ व नोएडा में बनाए गए स्मारक–पार्कों के विकास व सुंदरीकरण पर 73 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। स्मारक समिति की सोमवार को हुई बोर्ड बैठक में बजट स्वीकृत किया गया। इसके अलावा तीन प्रमुख पार्किंगों को पीपीपी तरीके से चलाने का निर्णय किया गया। सदस्य सचिव प्रथमेश कुमार ने बताया कि गोमतीनगर में 1090 चौराहे पर स्थित चटोरी गली की पार्किंग के लिए प्रतिवर्ष 20 लाख रुपये व रिवरफ्रंट स्थित बुद्ध विहार पार्किंग के लिए सालाना 15 लाख रुपये आरक्षित राशि रखी जाएगी। 1090 चौराहे पर पराग बूथ के पीछे स्थित पार्किंग को भी पीपीपी मोड पर चलाया जाएगा। इससे लोगों को व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा मिलेगी और स्मारक समिति की आय भी बढ़ेगी।

माल सीएचसी के बाहर बैठी महिला की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। माल सीएचसी के बाहर बैठी शाहमऊ निवासी सरोज रैदास (35) की सोमवार को मौत हो गई। भतीजे मनीष ने बताया कि उसकी चाची के गले में दिक्कत थी और हार्ट का भी इलाज चल रहा था। हरदोई के ग्राम भरावन निवासी मनीष के मुताबिक सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे सरोज इलाज कराने माल सीएचसी पहुंचीं। दवा लेने के बाद वह बाहर ही बैठ गईं। रात 11 बजे पुलिस ने घरवालों को फोन करके बताया कि सरोज की सीएचसी पर ही मौत हो गई है। मनीष ने बताया कि दवा खाने के बाद चाची को उल्टी हुई। फिर हालत बिगड़ती चली गई।

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने गांव-गांव जाएंगे जलशक्ति मंत्री

लखनऊ, (संवाददाता)। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल

जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

लखनऊ की महिला नायब तहसीलदार से हुई अभद्रता, एएसपी पर एफआईआर, काम में बाधा डालकर बंधक बनाने का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम की नायब तहसीलदार कुमकुम मिश्रा ने अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) वीरेंद्र कुमार के खिलाफ अभद्रता करने, धमकी देने और सरकारी काम में बाधा डालने की एफआईआर दर्ज कराई है। बिजनौर थाने में केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कुमकुम मिश्रा के अनुसार, 16 फरवरी को वह राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के आदेश पर औरंगाबाद खालसा में ओमेक्स सिटी स्थित तालाब के पुनर्सृजन कार्य के निरीक्षण के लिए गई थीं। इसी दौरान ओमेक्स सिटी निवासी एडिशनल एसपी वीरेंद्र कुमार साथियों के साथ वहां पहुंचे और उनसे अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि वीरेंद्र कुमार ने मोबाइल छीनकर करीब एक घंटे तक नायब तहसीलदार मिश्रा को बंधक बनाए रखा। विरोध करने पर गोली मारने की धमकी दी। गाड़ी में बैठकर लौटने लगीं तो गाड़ी का दरवाजा खोलकर रोका, फोटो खींची और वीडियो बनाया। बिजनौर पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद उन्हें मुक्त किया गया। कुमकुम मिश्रा ने आरोपी पर आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने और सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया है। पुलिस को केस दर्ज करने में लग गए तीन महीने निपुण अग्रवाल का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद प्रकरण की जांच एडीसीपी दक्षिणी से कराई गई। विस्तृत जांच के बाद एफआईआर के निर्देश दिए गए। इसके बाद मंगलवार को केस दर्ज हुआ। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई

विवाद 16 फरवरी को हुआ था। तहरीर उसी समय दी गई थी, लेकिन एफआईआर अब दर्ज हुई है। इसे लेकर कहा जा रहा है कि जब नायब तहसीलदार को एफआईआर दर्ज कराने में तीन महीने से ज्यादा लग गए तो आम लोगों को कितनी मशक्कत करनी पड़ती होगी। इस पर डीसीपी दक्षिणी की जाएगी। आरोपी एडिशनल एसपी की मौजूदा तैनाती के बारे में पुलिस को कोई जानकारी नहीं है।

मुकदमा दर्ज, जांच जारी

पुलिस ने अपनी विवेचना में गवाहों से जानकारी लेने के बाद मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमा दर्ज करने में देरी की वजह जांच में समय लगना बताया गया है।

बस अग्निकांड का आरोपी परिचालक भी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज में किसान पथ पर चलती स्लीपर बस में आग लगने के मामले में पुलिस ने परिचालक बिहार के मोतिहारी निवासी महेश सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके पहले बस चालक शंकर को गिरफ्तार किया गया था। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के मुताबिक बस मालिक की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पूछताछ में आरोपी परिचालक ने बताया कि बस में आग लगने के बाद वह घबरा गया था। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता आग फैल गई। आग की लपटें देख वह और शंकर बस से कूदकर भाग निकले थे। आरोपी का कहना है कि बस मालिक ने इमरजेंसी गेट के पास सीट लगवाई थी ताकि ज्यादा से ज्यादा यात्री बैठाए जा सकें।उल्लेखनीय है कि बिहार के बेगूसराय से दिल्ली जा रही स्लीपर बस में 15 मई की सुबह आग लग गई थी। घटना में बिहार के सीतामढ़ी निवासी राम बालक का बेटा देवराज (4), बेटी साक्षी (2), समस्तीपुर निवासी अशोक की बेटी सोनी (26), पत्नी लख्खी देवी (60) और मधुसूदन (26) की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। मोहनलालगंज थाने में बिहार के सीतामढ़ी निवासी राम बालक ने बस के चालक, परिचालक और ट्रेवल पॉइंट एजेंसी के मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कराया था। छानबीन में पता चला था कि बस में क्षमता से दोगुना यात्री थे।

सगी बहन के साथ किया दुष्कर्म, मां बोली- नशे में सारे रिश्ते भूल जाता था

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच के फखरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी भाई ने अपनी सगी 17 वर्षीय बहन के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी भाई पर दुष्कर्म व पॉक्सो की धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता ने बताया कि उनके पिता की मौत हो चुकी है। जिसके बाद से भाई आए दिन उस पर गंदी नजर रख रहा था। रविवार को घर में अकेला पाकर उसने मेरे साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। लोकलाज के डर से उसने किसी को नहीं बताया लेकिन जब मां को जानकारी हुई तो उन्होंने कार्रवाई के लिए प्रेरित किया। वहीं पीड़िता की मां ने बताया कि इससे पहले भी कई बार बहन के साथ छेड़खानी कर चुका था। हर बार उसे समझाती थी, लेकिन नशा करने के बाद वह सारे रिश्ते भूल जाता था। पुलिस से सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी मिथिलेश कुमार राय ने कहा कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपी भाई के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोपी भागने की फिराक में था जिसे ट्रेस कर गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। वहीं पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा गया है।

हाउस टैक्स जमा करने पर 10 दिन और मिलेगी छूट

लखनऊ, (संवाददाता)। गृहकर जमा करने चल रही छूट 10 दिन और मिलेगी। उसके बाद छूट समाप्त हो जाएगी। ऐसे में जिन भवनस्वामियों ने टैक्स जमा नहीं किया वह 31 मई तक टैक्स जमा कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि ऑन लाइन गृहकर जमा करने वालों को नगर निगम 10 प्रतिशत की छूट दे रहा है। इसी तरह ऑफ लाइन जमा करने वालों को आठ प्रतिशत की छूट दे रहा है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि मई के बाद छूट कम हो जाएगी।

आईटी सिटी के लिए एलडीए को मिली 45 एकड़ जमीन

लखनऊ, (संवाददाता)। सुल्तानपुर रोड पर आईटी सिटी योजना को विकसित करने की दिशा में एलडीए ने काम शुरू कर दिया है। जमीन अधिग्रहण की कवायद शुरू कर दी गई है। शुरुआती चरण में ही 45 एकड़ जमीन लैंड पूलिंग से मिल रही है। जमीन मालिक ने एलडीए उपाध्यक्ष को पत्र लिखकर इस पर सहमति दे दी है। सीता सिंह पत्नी धर्मेंद्र कुमार सिंह ने मोहरी खुर्द में अपनी 45 एकड़ जमीन एलडीए को देने के लिए सहमति पत्र दिया है। इसके बदले में एलडीए को योजना में 50 प्रतिशत जमीन देनी होगी।

निदेशक राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का आगमन 23 कों

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने बताया कि निदेशक राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार राज्य कार्यालय लखनऊ वीके सिंह ने जनपद में 23 मई को अपरान्ह 2.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के उत्पीड़न सम्बन्धित प्रकरणों के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित होना प्रस्तावित है।

आलोक गुप्ता ने सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी का लिया चार्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आलोक गुप्ता ने सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी का पदभार ग्रहण कर लिया है। काफी दिनों से यह पद रिक्त चल रहा था। चार्ज ले लेने से अब समग्र शिक्षा को नवीन गति मिलेगी। लंबित कार्यों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। इसके पहले वे आयकर अधिकारी के रूप में लखनऊ में कार्यरत थे। गोरखपुर जिले के मूल निवासी श्री गुप्ता ने कहा कि कार्यों को समयबद्ध और पूरी पारदर्शिता के साथ निपटाया जायेगा। विभाग से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिये किसी भी कार्य दिवस में कोई भी आकर कार्यालय मिल सकता है।

अचला देवी घाट के एक मकान को चोरों ने बनाया निशाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह पुलिस चौकी अन्तर्गत अचला देवी घाट बाग अरब मोहल्ले में चोरों ने एक घर को दिनदहाड़े निशाना बनाते हुये पूरी सम्पत्ति खाली कर दिया। इसकी जानकारी होने पर जहां परिजन अवाक हो गये, वहीं क्षेत्र में तरहकृतरह की चर्चाएं की जा रही हैं। बता दें कि भारतेन्दु कुमार नामक निवासी व्यक्ति प्रधान डाकघर जौनपुर में डाक सहायक पद पर कार्यरत हैं। उनका पूरा परिवार शादी में शामिल होने के लिये पैतृक घर सरैया, पोस्ट गुलजारगंज, जनपद जौनपुर गया था। इधर 21 मई की सुबह भारतेन्दु अपनी ड्यूटी जाते समय घर के मुख्य दरवाजे सहित सभी जगहों पर ताला लगाकर चले गये। इधर दोपहर में घर का ताला तोड़कर चोरों ने आलमारी में रखे जेवर, नगदी सहित अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की जानकारी शाम को वापस घर लौटने पर हुई तो गृहस्वामी अवाक रह गये। होकृहल्ला मचाने पर जुटे लोगों ने सिपाह चौकी पुलिस को सूचना दिया जिस पर पहुंची मौकाकृ मुआयना करके जांचकृपड़ताल में जुट गयी। भुक्तभोगी ने घटना की जानकारी शहर कोतवाली पुलिस को लिखित रूप से दे दिया है जिस पर पुलिसिया छानबीन की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक चोरी से सम्बन्धित कोई साक्ष्य पुलिस के हाथ नहीं चल सकी थी।

पैसे के लेनदेन तथा पारिवारिक विवाद में मारपीट,तीन महिलाओं सहित 13 गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के दो विभिन्न गांवों में गुरुवार को लेनदेन तथा पारिवारिक विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई ।इस दोनों घटना में तीन महिलाओं सहित 13 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। गद्दीपुर गांव निवासी दो सगे भाइयों बसंतलाल शर्मा तथा पप्पू शर्मा पुत्रगण रामदेव शर्मा के बीच पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया ।जिसमें मारपीट हुई ।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक पक्ष के बसंतलाल शर्मा तथा उनके पुत्र शुभम शर्मा तथा दूसरे पक्ष से पप्पू शर्मा तथा उनके दो पुत्रों नितिन शर्मा व रवीश शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसी प्रकार हौज गांव निवासी शनि चौहान पुत्र हरिवंश चौहान व मनोज चौहान के बीच पारिवारिक विवाद को लेकर मारपीट हुई ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक पक्ष के शनि चौहान,सुधा चौहान पत्नी सजंय चौहान,धर्मा देवी पत्नी हरिवंश चौहान,संजु चौहान पुत्री हरिवंश चौहान तथा दूसरे पक्ष के मनोज चौहान उनकी पत्नी रीना चौहान और पुत्र शिवा चौहान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया ।थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया दोनो मामलों में शांतिभंग की कार्यवाही की गई है ।सभी का चालान भेज दिया गया है।

विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में कर्मचारी धरने पर,लगाए सरकार विरोधी नारे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वाधान में विद्युत विभाग के कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन जारी है। विरोध प्रदर्शन गुरुवार से शुरू हुआ ।कर्मचारी 22 मई से 28 मई तक दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक सांकेतिक धरना दे रहे हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो 29 मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर देंगे। धरने के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की ऊर्जा मंत्री मुरादाबाद के नारे भी लगाए उनका आरोप है कि सरकार कर्मचारियों के हितों की अनदेखी कर रही है। अवर अभियंता मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि सरकार द्वारा विद्युत विभाग का निजीकरण किया जा रहा है, जिसका वे विरोध कर रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने जनहित में विद्युत संस्थाओं की स्थापना की थी। इनका उद्देश्य जनता को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना था। उन्होंने कहा कि विभाग का निजीकरण जनहित में नहीं है। कर्मचारियों का मानना है कि वे भी देश की जनता का हिस्सा हैं और विभाग के निजीकरण को रोकना आवश्यक है।

मॉडल एकता तिवारी को पाकिस्तानी नंबर से वाट्सएप पर संदिग्ध संदेश मिला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मॉडल एकता तिवारी को पाकिस्तानी नंबर से वाट्सएप पर संदिग्ध संदेश मिला है। एकता ने पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले दो आतंकियों की पहचान की थी। एकता ने बताया कि बुधवार सुबह 8:27 बजे मोबाइल पर 92–3419798165 नंबर से श्हायश लिखा संदेश आया। एकता ने आधे घंटे बाद श्हैलोश लिखकर जवाब दिया। नंबर का कंट्री कोड देखते ही उन्होंने एनआईए को सूचित किया। 13 अप्रैल को एकता 20 लोगों के समूह के साथ श्रीनगर गई थीं। वहां उनकी मुलाकात दो आतंकियों से हुई थी, जो घोड़े वाले के रूप में मिले थे। आतंकी हमले के बाद जारी स्केच से एकता ने इन दोनों की पहचान की थी। एनआईए ने एकता को एक अधिकारी का नंबर दिया है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने को कहा है। एकता द्वारा भेजे गए स्क्रीनशॉट के आधार पर एनआईए जांच कर रही है। स्थानीय पुलिस ने भी मामले की जानकारी ली है। आईबी और एनआईए पहले से ही एकता के संपर्क में हैं। दोनों एजेंसियों ने घटनाक्रम की जानकारी के साथ लोकेशन और संदिग्धों की फोटो मांगी थी। इस नए घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच को और तेज कर दिया है। वही पर एकता ने बताया कि मेरे व्हाट्सएप पर पाकिस्तान नम्बर से हैलों का मैसेज आया जिसको देखकर मैं घबरा गई और इसकी जानकारी तत्काल एनआइए व लोकल पुलिस को दीया। देर शाम पहुंची पुलिस ने मुझसे उससे सम्बंधित जानकारी प्राप्त किया। जिस नम्बर से मेसेज आया था उसे भी दर्ज किया। साथ ही मुझे सतर्क रहने की हिदायत दिया।

सुएज इंडिया ने मनाया विश्व जैव विविधता दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ ।अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के मौके पर सुएज इंडिया ने नोबल सिटिजन फाउंडेशन के सहयोग से ताऊ देवी लाल बायोडायवर्सिटी पार्क में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की थीम रही "प्रकृति और सतत विकास के साथ सामंजस्य "। इसका उद्देश्य आम लोगों को जैव विविधता की अहमियत समझाना और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरुआत नुक्कड़ नाटक से हुई, जिसमें वॉलेंटियर्स ने विभिन्न प्रजातियों की पारिस्थितिक तंत्र में भूमिका को उजागर किया। नाटक के जरिए यह संदेश दिया गया कि प्रकृति के हर घटक का अपना महत्व है और हम सभी को मिलकर इसे बचाना होगा। कलाकारों ने आम जनता से पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार अपनाने की अपील की। इस मौके पर आयोजित बायोडाइवर्सिटी वॉक बच्चों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रही। इसमें एक सरकारी स्कूल के छात्रों ने हिस्सा लिया। सैर के दौरान बच्चों ने पेड़–पौधों और स्थानीय जैव प्रजातियों के बारे में जाना और यह समझा कि शहरों के विस्तार के बीच प्रकृति को बचाना कितना जरूरी है। इस अवसर पर सुएज इंडिया के सीईओ रश्मि रंजन रे ने कहा कि ताऊ देवी लाल पार्क की यह यात्रा केवल प्रतीक नहीं थी, बल्कि प्रकृति से जुड़ने का एक जीवंत अनुभव रही। स्थानीय जैवविविधता को समझने से लेकर बच्चों और समुदाय से संवाद तक इस दिन ने हमारे टिकाऊ विकास के मूल्यों को साकार कर दिया। सुएज इंडिया में हम मानते हैं कि जैव विविधता की रक्षा, जल और कचरा प्रबंधन हमारे मिशन का अहम हिस्सा है। सुएज इंडिया 1978 से देश में जल और वेस्टवॉटर के प्रबंधन में सक्रिय है और हर दिन लगभग 100 करोड़ लीटर अपशिष्ट जल का उपचार करती है। वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर कंपनी ने 3 अरब क्यूबिक मीटर वेस्टवॉटर का ट्रीटमेंट किया और 25 लाख टन सेकंडरी कच्चे माल की रिकवरी की। सुएज की 2023दृ2027 की सस्टेनेबल डेवलपमेंट रोड मैप के तहत कंपनी जैव विविधता संरक्षण के लिए प्राकृतिक आवासों का निर्माण, स्थानीय प्रजातियों के वृक्षारोपण, जैव विविधता ऑडिट और जनजागरूकता अभियानों जैसे कार्यों को प्राथमिकता दे रही है।

पीयू इलेक्ट्रॉनिक्स के विद्यार्थियों का वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर में चयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और उपलब्धि अर्जित की है। विभाग के तीन प्रतिभावान छात्र अक्ष चौबे,अनुभवी जायसवाल और मुकुल का चयन भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन कार्यरत प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थान वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर (टम्ब्), कोलकाता में प्रशिक्षण हेतु हुआ है। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत छात्र उच्चस्तरीय प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक अनुसंधान, परमाणु ऊर्जा यंत्रों की कार्यप्रणाली और उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग जैसे तकनीकी क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। यह चयन विभाग की मजबूत शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान उन्मुख वातावरण और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है। गुरुवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। विभाग के कुछ अन्य छात्रों का चयन इसरो और डीआरडीओ जैसे संस्थानों में भी हुआ है। यह सफलता भावी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को तकनीकी उत्कृष्टता का प्रतीक बनाती है। प्रशिक्षण हेतु हुए चयन का श्रेय विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश के कुशल मार्गदर्शन को भी जाता है। साथ ही, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विक्रांत भटेजा ने तकनीकी तैयारी में विशेष भूमिका निभाई। विभाग के सभी शिक्षकों डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. विशाल यादव, डॉ. अनीश अंसारी, डॉ. पी. सी. यादव, डॉ. पारुल त्रिवेदी और सुश्री प्रीति शर्मा ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

सभासद को फेसबुक पर दी जा रही गालियां,एसपी को दिया प्रार्थनापत्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के कस्बे के वार्ड संख्या पांच के सभासद को उनके फेसबुक आईडी पर एक व्यक्ति द्वारा गालियां व भद्दे कमेंट व धमकी दी जा रही हैं ।इससे परेशान होकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर कार्यवाही की गुहार लगाया है। ऊक्त वार्ड के सभासद विनोद प्रजापति पुत्र बाबूराम प्रजापति ने बताया कि आकाश मौर्या नामक व्यक्ति द्वारा उनको फेसबुक पर गालियां के साथ अश्लील कमेंट किया जा रहा है ।उन्होंने यह भी कहा कि कुछ व्यक्ति उनके राजनीतिक व सामाजिक प्रतिष्ठा से जलन रखते है ।उन लोगों द्वारा यह कार्य किया जा रहा है ।वे लगातार हमारे ऊपर अभद्र भाषा का उपयोग कर रहे है ।विनोद प्रजापति ने एसपी को प्रार्थनापत्र देकर ऊक्त व्यक्ति पर साइबर क्राइम का मुकदमा दर्ज करने की मांग करते हुए कार्यवाही की मांग किया है ।उधर इस मामले को लेकर पूरे कस्बे में चर्चा का बाजार गर्म है।

समर हॉलीडेज में टाइमजोन लेकर आया बच्चों के लिए डबल मजा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गर्मी की छुट्टियां शुरू होते ही बच्चों की मस्ती भी चरम पर पहुंच जाती है। इन्हीं छुट्टियों को और खास बनाने के लिए फीनिक्स पलासियो, लखनऊ के टाइमजोन में लेकर आया है साल का सबसे बड़ा सरप्राइज, षबिगेस्ट डबल डॉलर ऑफ द ईयरष। अब गेमिंग का रोमांच होगा दोगुना और बच्चों की छुट्टियां फन गेम्स के साथ बनेंगी यादगार। 23 मई से 25 मई तक, जो भी ग्राहक टाइमजोन में अपना रिचार्ज कराएंगे, उन्हें रिचार्ज अमाउंट (टैक्स कटौती के बाद) के डबल कर दिया जाएगा। यानी जितना रिचार्ज करें, उतना ही अतिरिक्त गेमिंग अमाउंट मिलेगा। इसमें बच्चों और परिवार के लिए ढेर सारे गेमिंग और एंटरटेनमेंट का सुनहरा मौका मिलेगा।

यही नहीं, 25 मई को सुबह 8 बजे से 11 बजे तक ग्राहकों को 25 प्रतिशत अतिरिक्त बोनस भी मिलेगा। इस तीन घंटे की लिमिटेड टाइम विंडो में किए गए रिचार्ज पर डबल डॉलर के ऊपर भी 25 प्रतिशत का अतिरिक्त फायदा मिलेगा। इस ऑफर को खासतौर पर बच्चों की गर्मियों की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि समर ब्रेक डबल धमाल का मौका बने। टाइमजोन, बच्चों और परिवारों के लिए एक ऐसा मनोरंजन स्थल है, जहां सुरक्षित माहौल में आधुनिक गेम्स, वर्चुअल राइड्स, एआरध्वीआर अनुभव और क्लासिक फन एक्टिविटीज का भरपूर आनंद लिया जा सकता है। यहां हर उम्र के लिए कुछ न कुछ मजेदार है। बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी के लिए एंटरटेनमेंट का परफेक्ट डेस्टिनेशन है टाइम जोन। इस मौके पर टाइमजोन इंडिया के सीईओ अब्बास जबलपुरवाला ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा से यह रहा है कि हम बच्चों और परिवारों को एक सुरक्षित, आनंददायक और टेक्नोलॉजी से भरपूर मनोरंजन अनुभव प्रदान करें। समर हॉलीडेज के इस खास अवसर पर 'डबल डॉलर' और 'एक्स्ट्रा बोनस' जैसी पेशकश के माध्यम से हम बच्चों की छुट्टियों को और भी ज्यादा खास और यादगार बनाना चाहते हैं।

थाना तारुन पुलिस व सर्विलांस टीम ने 48 घटे के भीतर हत्या का खुलासा कर किया आरोपियों को गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।तारुन थाना पुलिस ने 48 घंटे के अंदर सर्विलांस टीम की मदद से सीसीटीवी की फुटेज की माध्यम से अज्ञात हत्या का खुलासा कर इसमें शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया ।इस बात की जानकारी एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने पत्रकार वार्ता में दी ।उन्होंने बताया कि सोमवार को को थाना तारुन पर सूचना मिली कि गयासपुर निवासी कमल सिंह का रक्त रंजित शव उसके गाँव के जाने वाले रास्ते पर पड़ा हुआ है ।इस घटना की सूचना पर पुलिस विभाग के आला अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए घटना के अनावरण हेतु तीन टीमों का गठन किया गया ।बताया कि घटनास्थल एवं आस–पास पूछताछ करने पर यह पाया गया कि घटना के दिन सायंकाल मृतक द्वारा स्थानीय शराब की दुकान पर शराब खरीदी गयी थी ।दुकान पर लगे सीसीटीवी फुटेज में मृतक कमल सिंह के साथ कुछ संदिग्ध व्यक्ति

दिखाई दिये थें ।उन व्यक्तियों की पहचान करायी गयी तो उनमें से एक व्यक्ति की पहचान लाखन उर्फ अतुल सिंह पुत्र प्रदीप सिंह निवासी–नरियावां थाना–पूराकलन्दर के रुप में हुई । शराब की दुकान के सेल्समैन द्वारा यह जानकारी भी दी गयी कि मृतक कमल सिंह,साथ में शराब पी रहे अन्य दूसरे व्यक्ति को विकास सिंह कहकर सम्बोधित कर रहा था ।वही दूसरे संदिग्ध व्यक्ति की पहचान विकास सिंह पुत्र स्व0 रामधीरज सिंह निवासी–मोहर्रमपुर अरती थाना–महराजगंज के रुप में हुई ।बताया कि इन दोनों का पूर्व से आपराधिक इतिहास था ।दोनों संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश करके हिरासत में लिया गया ।इनसे कड़ाई से पूछताछ करने पर लाखन उर्फ अतुल सिंह तथा विकास सिंह दोनों आरोपियों ने करते हुए

यह बताया गया कि घटना के दिन उन लोगो ने साथ बैठकर शराब पिया था ।शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर इनका आपस में विवाद हो गया ।आरोपी ने बताया कि कमल सिंह ने हमें गाली देने लगा ।इसी पर आरोपियों ने उसकी घर जाते समय रास्ते में ईट व डण्डे से मार कर हत्या कर दी ।अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डण्डा, ईट तथा मौके से मृतक के मोटर साईकिल की चाभी जो कि अपनी जेब में डालकर चले गए थें,

बरामद की गयी है। इस मौके पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह,सीओ बीकापुर पीयूष मौजूद रहे। घटना का खुलासा करने मे थानाध्यक्ष तारुन संदीप त्रिपाठी,प्रभारी स्वाटध्सर्विलांस टीम अमरेश कुमार त्रिपाठी, उप निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह, उप निरीक्षक अंशुल वर्मा सहित अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

'विश्व मधुमक्खी दिवस-2025' पर केवीआईसी के केंद्रीय कार्यालय, इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम) में 'स्वीट क्रांति उत्सव' का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने मंगलवार को इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम) स्थित अपने केंद्रीय कार्यालय में 'विश्व मधुमक्खी दिवस–2025' के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस वर्ष का आयोजन थीम दृ ष्प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खी, सबके जीवन की पोषकष (ठमम पदेचपतमक इल दंजनतम जव दवनतपेी ने ेसस) पर आधारित था, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण ष्श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांतिष के अभियान को सशक्त करता है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से आए मधुमक्खी पालक लाभार्थी, प्रशिक्षु, वैज्ञानिकों, सफल मधुमक्खी पालकों, छात्रों, और विशेषज्ञों की उपस्थिति में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में केवीआईसी की उपलब्धियों को साझा किया गया। यह आयोजन न केवल एक तकनीकी मंच रहा, बल्कि ग्रामीण भारत के नवाचार, प्रेरणा और स्वावलंबन की

सजीव मिसाल बना। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रूप राशि की उपस्थिति में किया। मुख्य अतिथि मनोज कुमार ने अपने संबोधन में कहा, ष्मधुमक्खियां हमारे पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं। ये न केवल शहद देती हैं, बल्कि परागण के जरिए हमारी खेती को समृद्ध करती हैं और पर्यावरण का संरक्षण करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किया गया 'हनी मिशन' आज गांवों की आजीविका का बड़ा आधार बन चुका है।ष उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने जब 'स्वीट क्रांति' का आह्वान किया, तब उन्होंने एक नया रास्ता दिखायाय जिसमें शहद उत्पादन न केवल आर्थिक समृद्धि का, बल्कि स्वास्थ्य समृद्धि का भी स्रोत बना। उनके नेतृत्व में केवीआईसी ने इस दिशा में जो कार्य किया है, वह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।ष अध्यक्ष केवीआईसी ने विशेष रूप से केवीआईसी के 'हनी मिशन' की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि केवीआईसी द्वारा अब तक देशभर में 2,29,409 मधुमक्खी बक्से और मधु कॉलोनियां वितरित की गई हैं, जिससे लगभग 20,000 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हुआ है। इससे मधुमक्खी पालकों को लगभग 325 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024–25 में हनी मिशन से जुड़े मधुमक्खी पालकों ने करीब 25 करोड़ रुपये मूल्य का शहद विदेश में निर्यात किया है। इस अवसर पर केवीआईसी की सीईओ रूप राशि ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ष्हनी मिशन केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह एक समग्र आजीविका मॉडल है। आज ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों युवाओं, महिलाओं और किसानों को इस मिशन से रोजगार मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि केवीआईसी द्वारा संचालित हनी प्रोसेसिंग प्लांट्स, प्रशिक्षण केंद्र और मार्केटिंग नेटवर्क ने मधुमक्खी पालन को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर किया है। कार्यक्रम में केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (ब्ठत्ज्), पुणे की ऐतिहासिक भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि वर्ष 1962 में स्थापित इस संस्थान ने आज तक 50,000 से अधिक मधुमक्खी पालकों को आधुनिक तकनीकों की ट्रेनिंग दी है। ब्ठत्ज् का उद्देश्य न केवल शहद उत्पादन को बढ़ावा देना है, बल्कि किसानों को परागण के माध्यम से कृषि और बागवानी उत्पादकता बढ़ाने की जानकारी देना, मधुमक्खी पालन से संबंधित अनुसंधानों को बढ़ावा देना और उद्यमिता विकास को सशक्त करना भी है। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों ने बताया कि मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलों का परागण मधुमक्खियों के माध्यम से होता है। यदि मधुमक्खियां न रहें, तो 30 प्रतिशत खाद्य फसलें और 90 प्रतिशत जंगली पौधों की प्रजातियां संकट में आ सकती हैं। कार्यक्रम में देश के सभी हिस्सों से लाभार्थियों ने डिजिटल रूप से अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। इसके साथ ही बच्चों द्वारा प्रस्तुत नाटक, कविता, और निबंध ने कार्यक्रम में जीवंतता भर दी। कार्यक्रम में केवीआईसी के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।